SAMPLE QUESTION PAPER - 5
SUBJECT- Hindi B (085)
CLASS IX (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

ताजमहल, महात्मा गांधी और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र-इन तीन बातों से दुनिया में हमारे देश की ऊँची पहचान है। ताजमहल भारत की अंतरात्मा की, उसकी बहुलता की एक धवल धरोहर है। यह सांकेतिक ताज आज खतरे में है। उसको बचाए रखना बहुत ज़रूरी है। मजहबी दर्द को गांधी दूर करता गया। दुनिया जानती है, गांधीवादी नहीं जानते हैं। गांधीवादी उस गांधी को चाहते हैं जो कि सुविधाजनक है। राजनीतिज्ञ उस गांधी को चाहते हैं जो कि और भी अधिक सुविधाजनक है। आज इस असुविधाजनक गांधी का पुनः आविष्कार करना चाहिए, जो कि कड़वे सच बताए, खुद को भी औरों को भी।

अंत में तीसरी बात लोकतंत्र की। हमारी जो पीड़ा है, वह शोषण से पैदा हुई है, लेकिन आज विडंबना यह है कि उस शोषण से उत्पन्न पीड़ा का भी शोषण हो रहा है। यह है हमारा ज़माना, लेकिन अगर हम अपने पर विश्वास रखें और अपने पर स्वराज लाएँ तो हमारा ज़माना बदलेगा। खुद पर स्वराज तो हम अपने अनेक प्रयोगों से पा भी सकते हैं, लेकिन उसके लिए अपनी भूलें स्वीकार करना, खुद को सुधारना बहुत आवश्यक होगा।

(i) ताजमहल को किसकी धरोहर बताया गया है?

क) भारत के नेताओं की   ख) भारत की अंतरात्मा की

ग) भारत के नागरिकों की   घ) भारत के युवाओं की

(ii) गांधीवादी आज किस तरह के गांधी को चाहते हैं?

क) जो सुविधाजनक नहीं है   ख) इनमें से कोई नहीं

ग) जो सुविधाजनक है	घ) जो असुविधाजनक हैं

(iii) गद्यांश के अनुसार आज विडंबना क्या है?

क) हमारी पीड़ा का उत्पन्न होना

ख) हमारी पीड़ा का शोषण से उत्पन्न होना

ग) स्वयं पर विश्वास न रखना

घ) शोषण से उत्पन्न पीड़ा का शोषण होना

(iv) राजनीतिज्ञ किस गांधी की आकांक्षा रखते हैं?

क) जो सुविधाजनक नहीं है

ख) जो असुविधाजनक है

ग) जो सुविधाजनक है

घ) जो और भी अधिक सुविधाजनक है

(v) हमारा ज़माना किस प्रकार बदल सकता है?

i. अपनी भूलों को स्वीकार करके

ii. स्वयं पर विश्वास कर

iii. अपना स्वराज लाना

iv. स्वयं को सुधार कर

क) कथन i, ii व iv सही हैं

ख) कथन i, iii व iv सही हैं

ग) कथन ii सही है

घ) कथन i, ii व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जो विद्या की इच्छा रखता है, वह विद्यार्थी है। मनुष्य जीवन भर कुछ न कुछ सीखने की इच्छा रखता है। इस दृष्टि से वह सदैव विद्यार्थी रहता है. किन्तु स्थूल रूप से मानव जीवन में विद्यार्थी काल बहुत लंबा नहीं है। यह मनुष्य के जीवन का स्वर्णिम काल है। विद्यार्थी जीवन हंसने-हंसाने का समय है। खेल-खेल में पढ़ाई का अभ्यास इसी उम्र में होता है। माता-पिता लाड़-प्यार करते हैं। परिवारजन स्नेह की वर्षा से अबोध मन को गुदगुदाते हैं। नित नए मित्र बनते हैं, छेड़-छाड़ चलती है। कभी-कभी बात बढ़ जाती है और नौबत मार-पीट, हाथापाई तक आ जाती है. परन्तु सारा द्वेष. समस्त क्रोध, सारी कड़वाहट दूसरे पल ही नष्ट हो जाती है। आज जिससे लड़े कल उसी के साथ बैठ मीठी-मीठी बातें करने का दृश्य दिखाई देता है। खाने-पीने और मौज उड़ाने का यह मस्ताना मौसम चाहे कितना छोटा क्यों न हो, लुभावना और सुहावना होता है।

(i) प्रस्तुत अंश में जोर दिया गया है-

क) विद्यार्थी जीवन की विशेष मानसिकता पर

ख) चरित्र निर्माण पर

ग) अनुशासन पर

घ) स्कूली शिक्षा पर

(ii) विद्यार्थी जीवन मोहक है क्योंकि:

क) परिवार, विद्यालय एवं मित्रों के बीच सर्वत्र आत्मीय वातावरण विद्यमान रहता है।

ख) किसी प्रकार के अनुशासन की अपेक्षा नहीं होती।

ग) अल्पकालिक है।

घ) प्रत्येक इच्छा माता-पिता द्वारा पूरी की जाती है।

(iii) विद्यार्थी जीवन का आपसी लड़ाई-झगड़ा जल्दी समाप्त हो जाने का कारण है:-

क) अकेले रह जाने का आतंक

ख) बचपन से ही अनुशासन सिखाया जाता है।

ग) मन का सरल, निष्कपट भावना

घ) अध्यापक द्वारा दण्डित किये जाने का भय

(iv) मनुष्य सदैव विद्यार्थी है क्योंकि:-

क) वह ऊँचे से ऊँचे पद पर पहुँचना चाहता है।

ख) उसका अहंकार शांत होता है।

ग) वह सदैव कुछ नया सीखने की इच्छा रखता है।

घ) वह बड़ी से बड़ी डिग्री हासिल करना चाहता है।

(v) **कथन (A):** विद्यार्थी जीवन मानव जीवन का स्वर्णिम काल है।
कारण (R): मनुष्य विद्या की इच्छा रखता है इसलिए वह विद्यार्थी है।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[2]**

(i) कोई शब्द पद कहलाएगा जब ________। **[1]**

क) उसका स्वतंत्र प्रयोग हो।

ख) उसमें कोई परिवर्तन न किया जा सके।

ग) वह वाक्य में प्रयोग किया जाएगा।

घ) उसका कोई निश्चित अर्थ न हो।

(ii) योगरूढ़ शब्द कौन-सा है? [1]

क) नाक

ख) पीला

ग) लम्बोदर

घ) घुड़सवार

4. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) सम् + हार=संहार [1]
इस शब्द में अनुस्वार का प्रयोग बिंदु (ं) के रूप में क्यों किया गया है?

क) श,ष,स,ह (ऊष्म व्यंजन) से पूर्व यदि पंचमाक्षर आए तो अनुस्वार का प्रयोग होता है।

ख) 'सम्' उपसर्ग जोड़ा जाता है तो अनुस्वार का प्रयोग बिंदु के रूप में होता है।

ग) य,र,ल,व (अंतस्थ व्यंजनों) से पूर्व यदि पंचमाक्षर आए तो अनुस्वार का प्रयोग होता है।

घ) जब किसी वर्ण से पहले अपनी ही वर्ग का पांचवा अक्षर आए तो उसके स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग होता है।

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से **अनुनासिक** के उचित प्रयोग वाला शब्द चुनिए- [1]
नालँदा, मनोरँजन, अँतर, गाँव

क) मनोरँजन

ख) नालँदा

ग) गाँव

घ) अँतर

(iii) निम्नलिखित में से कौन-से अनुस्वार वाले शब्द-वर्ण-विच्छेद सही है? [1]

क) संभव = स + अ + म् + भ् + अ + व् + अ

ख) मंदिर = म् + अ + न् + द् + इ + र् + अ

ग) कंचन = क् + अ + ञ् + च् + अ + न + अ

घ) गंगा = ग् + अ + ङ् + ग + आ

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 4 के उत्तर दीजिये:** [4]

(i) 'मानसिकता' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए। [1]

क) मन + इकता

ख) मानसिक + ता

ग) मानस + इकता　　घ) मान + सिकता

(ii) जो प्रत्यय क्रिया अथवा धातु के बाद लगाए जाते हैं वो क्या कहलाते हैं ? **[1]**

क) संबंधवाचक　　ख) तद्धित

ग) कृत　　घ) क्रमवाचक

(iii) **व्यवस्था** से पूर्व कौन-सा उपसर्ग लगाये कि उसका अर्थ विपरीत हो जाए? **[1]**

क) अ　　ख) परि

ग) अप　　घ) आ

(iv) नीचे दिये गये शब्दों में से किस शब्द में तत्सम उपसर्ग जुड़ा है? **[1]**

क) बखूबी　　ख) कमजोर

ग) अनुभव　　घ) सरपंच

(v) 'अधि' उपसर्ग किस भाषा से लिया गया है ? **[1]**

क) हिंदी　　ख) अंग्रेजी

ग) अरबी फारसी　　घ) संस्कृत

6. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:** **[3]**

(i) संधि का प्रकार बताइए- नीलाकाश **[1]**

क) व्यंजन संधि　　ख) स्वर संधि

ग) लोपवृत्ति　　घ) विसर्ग संधि

(ii) सिन्धूर्मि- **[1]**

क) स्वर संधि　　ख) व्यंजन संध

ग) इनमें से कोई नहीं　　घ) विसर्ग संध

(iii) उचित संधि विच्छेद चुनिए- अत्युत्साह **[1]**

क) अत्य + उत्साह　　ख) अत्यु + उत्साह

ग) अ + त्युत्साह　　घ) अति + उत्साह

(iv) उचित संधि विच्छेद चुनिए- दाम्पत्य **[1]**

क) दम्प् + त्य		ख) दम्पती + य

ग) दा + आम्पत्यि		घ) दम्पत् + अय

7. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही तीन में उचित स्थान पर सही विराम चिह्न लगाइए-** [3]

i. चलो चलते हैं मैंने कहा
ii. छाया फल और जल पृथ्वी पर नहीं रहेंगे
iii. सुनो किसने दस्तक दी
iv. तुम नहीं आओगी जानता था फिर भी इंतजार करता रहा

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) जिस वाक्य में घृणा या तिरस्कार का भाव हो, उसे कहते हैं ______ [1]

क) विस्मयादिवाचक वाक्य		ख) इच्छावाचक वाक्य

ग) घृणावाचक वाक्य		घ) तिरस्कार वाचक वाक्य

(ii) आज वर्षा होगी। वाक्य को संदेहवाचक वाक्य में बदलिए- [1]

क) शायद आज वर्षा होगी।		ख) शायद वर्षा हो।

ग) आज वर्षा नहीं होगी।		घ) आज वर्षा क्यों होगी।

(iii) अपने आस -पास साफ -सफाई रखें । - अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताएं । [1]

क) आज्ञावाचक वाक्य		ख) संकेतवाचक वाक्य

ग) निर्देशवाचक वाक्य		घ) आदेशवाचक वाक्य

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

कई गलियों के बीच
कई नालों के पार
कूड़े-करकट
के ढेरों के बाद
बदबू से फटते जाते इस
टोले के अंदर
खुशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।

(i) खुशबू रचने वाले हाथ कहाँ रहते हैं?

क) कूड़े के ढेर के पास		ख) नालों के पार

ग) सभी विकल्प सही हैं | घ) गलियों के बीच

(ii) गंदे मोहल्ले में गंदे हाथों से लोग क्या बनाते हैं?

क) पटाखे | ख) मोमबत्तियाँ

ग) अगरबत्तियाँ | घ) फुलझड़ियाँ

(iii) समाज को सुंदर बनाने वाले लोग अकसर कैसी जगहों में रहते हैं?

क) शहर के बीचों-बीच में | ख) आलीशान महलों में

ग) गंदी जगहों में | घ) अच्छी साफ-सुथरी जगहों में

(iv) अगरबत्तियाँ बनाने वाले लोग अच्छे घरों में क्यों नहीं रह पाते?

क) धन की कमी होने के कारण | ख) ऐसी जगह में रहने की आदत होने के कारण

ग) अच्छे घरों में रहने की इच्छा न होने के कारण | घ) धन खर्च न करने के कारण

(v) प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि ने किसका चित्रण किया है?

क) सादगीपूर्ण ढंग से जीवन जीने वाले लोगों के जीवन का | ख) सुगंधित वस्तुओं का निर्माण करने वाले मजदूरों के जीवन का

ग) सुगंधित वातावरण में रहने वाले व्यक्तियों के जीवन का | घ) सुगंध के कोसों दूर रहने वाले बच्चों के जीवन का

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[2]**

(i) रहीम के **दोहे** के अनुसार मनुष्यों के लिए पानी का क्या अर्थ है? **[1]**

क) जल | ख) चमक

ग) सम्मान | घ) जीवन

(ii) 'जाकी अंग - अंग बास समानी' - पंक्ति में अंग - अंग में किसकी बास व्याप्त है? **[1]**

क) ईश्वर की | ख) पुष्प की

ग) स्वयं की | घ) चन्दन की

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

और आशंका निर्मूल नहीं थी, अतिथि! तुम जा नहीं रहे। लॉण्ड्री पर दिए कपड़े धुलकर आ गए और तुम यहीं हो। तुम्हारे भरकम शरीर से सलवटें पड़ी चादर बदली जा चुकी और तुम यहीं हो। तुम्हें देखकर फूट पड़ने वाली मुस्कुराहट धीरे-धीरे फीकी पड़कर अब लुप्त हो गई है। ठहाकों के रंगीन गुब्बारे, जो कल तक इस कमरे के आकाश में उड़ते थे, अब दिखाई नहीं पड़ते। बातचीत की उछलती हुई गेंद चर्चा के क्षेत्र के सभी कोनलों से टप्पे खाकर फिर सेंटर में आकर चुप पड़ी है। अब इसे न तुम हिला रहे हो, न मैं। कल से मैं उपन्यास पढ़ रहा हूँ और तुम फिल्मी पत्रिका के पन्ने पलट रहे हो। शब्दों का लेन-देन मिट गया और चर्चा के विषय चूक गए।

(i) गद्यांश के अनुसार, लेखक की कौन-सी आशंका थी जो निर्मूल नहीं थी?

क) शायद अतिथि अभी नहीं जा रहा है
ख) अतिथि आज ही चला जाएगा
ग) अतिथि को सत्कार पसंद नहीं आया
घ) अतिथि कल चला जाएगा

(ii) अतिथि ने तीन दिन बाद भी जब जाने का निर्णय नहीं लिया तो उसका क्या प्रभाव पड़ा?

क) लेखक अत्यंत प्रसन्न हो गया
ख) लेखक की पत्नी नाराज हो गई
ग) अतिथेय स्वयं आत्मग्लानि से भर गया
घ) अतिथि और अतिथेय के बीच संबंधों में बोरियत आ गई

(iii) लेखक और अतिथेय के बीच का सौहार्द्र बोरियत में बदल गया यह किस कथन से स्पष्ट होता है?

क) ठहाकों के रंगीन गुब्बारों के अदृश्य होने
ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) बातचीत कम-से-कम होने
घ) चर्चा के विषय चूक जाने

(iv) बातचीत रूपी गेंद घर के कोने में शांत होकर क्यों पड़ी हुई है?

क) लेखक की रुचि समाप्त नहीं होने के कारण
ख) लेखक तथा अतिथि के बीच झगड़ा होने के कारण
ग) लेखक के अपने काम में व्यस्त होने के कारण
घ) अतिथि का लेखक के घर में लंबे समय तक रुकने के कारण

(v) लेखक ने धोबी को कपड़े न देकर लाण्ड्री में क्यों दिए?

क) लेखक स्वयं को सभ्य तथा उच्च वर्ग का दिखाना चाहता था

ख) लेखक के पास बहुत पैसे थे

ग) लेखक अपनी पत्नी से कपड़े नहीं धुलवाना चाहता था

घ) लेखक चाहता था कि कपड़े जल्दी आ जाएँ और अतिथि अपने घर चला जाए

12. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) 'ट्रीब्यून' के सम्पादक कौन थे ? 'शुक्रतारे के समान' पाठ के आधार पर बताइए। [1]

क) महादेव भाई

ख) हार्निमैन

ग) कालीनाथ राय

घ) महात्मा गांधी

(ii) बछेंद्री ने किस नगर को शेरपा लैंड का एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण नगरीय क्षेत्र कहा है ? [1]

क) नमचे बाजार

ख) एवरेस्ट

ग) नेपाल

घ) ल्होत्से

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) तेनजिंग शेरपा की पहली चढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए। [3]

(ii) व्यक्ति की पहचान उसकी पोशाक से होती है। इस विषय पर कक्षा में परिचर्चा कीजिए। [3]

(iii) भारत के मानचित्र पर निम्न स्थानों को दर्शाएँ : [3]
अहमदाबाद, जलियाँवाला बाग (अमृतसर), कालापानी (अंडमान), दिल्ली, शिमला, बिहार, उत्तर प्रदेश।

14. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) विपत्ति के समय अपनी ही सम्पत्ति क्यों काम आती है? [3]

(ii) कवि रैदास ने प्रभु को निडर क्यों कहा है? [3]

(iii) कवि हरिवंश राय बच्चन मनुष्य से किस बात की शपथ लेने को कह रहे हैं? [3]

15. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) गिल्लू कहानी हमारे स्वभाव में जीव-प्रेम को किस प्रकार विकसित करती है? [3]

(ii) व्यक्ति के जीवन में साहस का क्या महत्त्व है? **स्मृति** पाठ के आधार पर अपना उत्तर दीजिए। [3]

(iii) **मेरा छोटा सा पुस्तकालय** पाठ के आधार पर बच्चों में पुस्तकों के पठन की रुचि एवं उनसे लगाव उत्पन्न करने के लिए आप माता-पिता को क्या सुझाव देंगे? **[3]**

16. **नाटक मंचन के दौरान जब मैं अपने संवाद भूल गया/गई** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- मेरी मनःस्थिति
- दर्शकों का उत्साहवर्धन
- सफलतापूर्वक नाटक की समाप्ति

अथवा

ऑनलाइन खरीदारी : व्यापार का बदलता स्वरूप विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- वर्तमान में इसकी अनिवार्यता
- सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव
- सुझाव

अथवा

विद्यालय का हिन्दी दिवस समारोह विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- हिंदी दिवस की तारीख एवं मनाने का कारण
- समारोह की रूपरेखा
- योगदान व सफलता

17. आप विद्यालय में शुरू हो रही कम्प्यूटर कक्षाओं में शामिल होना चाहते हैं। इसके लिए आपको रुपये 1500 जमा करने हैं। कम्प्यूटर के लाभ बताते हुए पिताजी से पैसे मँगवाने के लिए पत्र लिखें। **[6]**

अथवा

बनावट-शृंगार में समय व्यतीत न करने की हिदायत देते हुए छोटी बहन को पत्र लिखिए।

18. दिए गए चित्र को देखकर लगभग 100 शब्दों में वर्णन कीजिए। **[5]**

19. कक्षा में होने वाली भाषण प्रतियोगिता हेतु प्रोत्साहित करते हुए अध्यापक व छात्र के बीच हुए संवाद को 50 शब्दों में लिखिए। **[5]**

अथवा

घर वापिस पहुँचने पर पिता और पुत्र के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

Answers

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

ताजमहल, महात्मा गांधी और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र-इन तीन बातों से दुनिया में हमारे देश की ऊँची पहचान है। ताजमहल भारत की अंतरात्मा की, उसकी बहुलता की एक धवल धरोहर है। यह सांकेतिक ताज आज खतरे में है। उसको बचाए रखना बहुत ज़रूरी है।
मजहबी दर्द को गांधी दूर करता गया। दुनिया जानती है, गांधीवादी नहीं जानते हैं। गांधीवादी उस गांधी को चाहते हैं जो कि सुविधाजनक है। राजनीतिज्ञ उस गांधी को चाहते हैं जो कि और भी अधिक सुविधाजनक है। आज इस असुविधाजनक गांधी का पुनः आविष्कार करना चाहिए, जो कि कड़वे सच बताए, खुद को भी औरों को भी।
अंत में तीसरी बात लोकतंत्र की। हमारी जो पीड़ा है, वह शोषण से पैदा हुई है, लेकिन आज विडंबना यह है कि उस शोषण से उत्पन्न पीड़ा का भी शोषण हो रहा है। यह है हमारा ज़माना, लेकिन अगर हम अपने पर विश्वास रखें और अपने पर स्वराज लाएँ तो हमारा ज़माना बदलेगा। खुद पर स्वराज तो हम अपने अनेक प्रयोगों से पा भी सकते हैं, लेकिन उसके लिए अपनी भूलें स्वीकार करना, खुद को सुधारना बहुत आवश्यक होगा।

(i) **(ख)** भारत की अंतरात्मा की
व्याख्या: भारत की अंतरात्मा की

(ii) **(ग)** जो सुविधाजनक है
व्याख्या: जो सुविधाजनक है

(iii) **(घ)** शोषण से उत्पन्न पीड़ा का शोषण होना
व्याख्या: शोषण से उत्पन्न पीड़ा का शोषण होना

(iv) **(घ)** जो और भी अधिक सुविधाजनक है
व्याख्या: जो और भी अधिक सुविधाजनक है

(v) **(ख)** कथन i, iii व iv सही हैं
व्याख्या: कथन i, iii व iv सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जो विद्या की इच्छा रखता है, वह विद्यार्थी है। मनुष्य जीवन भर कुछ न कुछ सीखने की इच्छा रखता है। इस दृष्टि से वह सदैव विद्यार्थी रहता है. किन्तु स्थूल रूप से मानव जीवन में विद्यार्थी काल बहुत लंबा नहीं है। यह मनुष्य के जीवन का स्वर्णिम काल है। विद्यार्थी जीवन हंसने-हंसाने का समय है। खेल-खेल में पढ़ाई का अभ्यास इसी उम्र में होता है। माता-पिता लाड़-प्यार करते हैं। परिवारजन स्नेह की वर्षा से अबोध मन को गुदगुदाते हैं। नित नए मित्र बनते हैं, छेड़-छाड़ चलती है। कभी-कभी बात बढ़ जाती है और नौबत मार-पीट, हाथापाई तक आ जाती है. परन्तु सारा द्वेष. समस्त क्रोध, सारी कड़वाहट दूसरे पल ही नष्ट हो जाती है। आज जिससे लड़े कल उसी के साथ बैठ मीठी-मीठी बातें करने का दृश्य दिखाई देता है। खाने-पीने और मौज उड़ाने का यह मस्ताना मौसम चाहे कितना छोटा क्यों न हो, लुभावना और सुहावना होता है।

(i) **(क)** विद्यार्थी जीवन की विशेष मानसिकता पर
व्याख्या: विद्यार्थी जीवन की विशेष मानसिकता पर
(ii) **(क)** परिवार, विद्यालय एवं मित्रों के बीच सर्वत्र आत्मीय वातावरण विद्यमान रहता है।
व्याख्या: परिवार, विद्यालय एवं मित्रों के बीच सर्वत्र आत्मीय वातावरण विद्यमान रहता है।
(iii) **(ग)** मन का सरल, निष्कपट भावना
व्याख्या: मन का सरल, निष्कपट भावना
(iv) **(ग)** वह सदैव कुछ नया सीखने की इच्छा रखता है।
व्याख्या: वह सदैव कुछ नया सीखने की इच्छा रखता है।
(v) **(ख)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
(i) **(ग)** वह वाक्य में प्रयोग किया जाएगा।
व्याख्या: वह वाक्य में प्रयोग किया जाएगा। जैसे- श्याम, मैदान [श्याम मैदान में खेलता है।]
(ii) **(ग)** लम्बोदर
व्याख्या: लम्बोदर

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:
(i) **(ख)** 'सम्' उपसर्ग जोड़ा जाता है तो अनुस्वार का प्रयोग बिंदु के रूप में होता है।
व्याख्या: जब किसी शब्द में 'सम्' उपसर्ग जोड़ा जाता है तो अनुस्वार का प्रयोग बिंदु के रूप में होता है।
(ii) **(ग)** गाँव
व्याख्या: गाँव
(iii) **(ख)** मंदिर = म् + अ + न् + द् + इ + र् + अ
व्याख्या: मंदिर = म् + अ + न् + द् + इ + र् + अ

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 4 के उत्तर दीजिये:
(i) **(ख)** मानसिक + ता
व्याख्या: 'मानसिकता' शब्द में 'मानसिक' मूल शब्द है और 'ता' प्रत्यय है।
(ii) **(ग)** कृत
व्याख्या: कृत (खेल-धातु, औना-प्रत्यय = खिलौना)
(iii) **(क)** अ
व्याख्या: अ
(iv) **(ग)** अनुभव
व्याख्या: अनुभव
(v) **(घ)** संस्कृत
व्याख्या: संस्कृत (अधि= अध्यक्ष, मुख्य)

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:
(i) **(ख)** स्वर संधि
व्याख्या: स्वर संधि
(ii) **(क)** स्वर संधि
व्याख्या: स्वर संधि
(iii) **(घ)** अति + उत्साह
व्याख्या: अति + उत्साह
(iv) **(ख)** दम्पती + य
व्याख्या: दम्पती + य

7. i. "चलो, चलते हैं।" मैंने कहा।
ii. छाया, फल और जल पृथ्वी पर नहीं रहेंगे।
iii. सुनो, किसने दस्तक दी?
iv. तुम नहीं आओगी, जानता था, फिर भी इंतजार करता रहा।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:
(i) **(क)** विस्मयादिवाचक वाक्य
व्याख्या: घृणा, शोक,विस्मय, क्रोध आदि भाव विस्मयादिवाचक वाक्य द्वारा व्यक्त किये जाते हैं।
(ii) **(क)** शायद आज वर्षा होगी।
व्याख्या: शायद आज वर्षा होगी।
(iii) **(क)** आज्ञावाचक वाक्य
व्याख्या: आदेश, निर्देश, आज्ञा, अनुमति आदि आज्ञावाचक/आज्ञार्थक वाक्यों द्वारा अभिव्यक्त होते हैं।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
कई गलियों के बीच
कई नालों के पार
कूड़े-करकट
के ढेरों के बाद
बदबू से फटते जाते इस
टोले के अंदर
खुशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।
(i) **(ग)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं
(ii) **(ग)** अगरबत्तियाँ
व्याख्या: अगरबत्तियाँ

(iii) **(ग)** गंदी जगहों में

व्याख्या: गंदी जगहों में

(iv) **(ख)** ऐसी जगह में रहने की आदत होने के कारण

व्याख्या: ऐसी जगह में रहने की आदत होने के कारण

(v) **(ख)** सुगंधित वस्तुओं का निर्माण करने वाले मजदूरों के जीवन का

व्याख्या: सुगंधित वस्तुओं का निर्माण करने वाले मजदूरों के जीवन का

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(ग)** सम्मान

व्याख्या: रहीम के **दोहे** के अनुसार मनुष्यों के लिए पानी का अर्थ सम्मान अथवा इज्जत से है।

(ii) **(क)** ईश्वर की

व्याख्या: कवि के अनुसार अंग - अंग में ईश्वर की सुगंध व्याप्त है अर्थात ईश्वर हर स्थान, हर कण में व्याप्त है।

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

और आशंका निर्मूल नहीं थी, अतिथि! तुम जा नहीं रहे। लॉण्ड्री पर दिए कपड़े धुलकर आ गए और तुम यहीं हो। तुम्हारे भरकम शरीर से सलवटें पड़ी चादर बदली जा चुकी और तुम यहीं हो। तुम्हें देखकर फूट पड़ने वाली मुस्कुराहट धीरे-धीरे फीकी पड़कर अब लुप्त हो गई है। ठहाकों के रंगीन गुब्बारे, जो कल तक इस कमरे के आकाश में उड़ते थे, अब दिखाई नहीं पड़ते। बातचीत की उछलती हुई गेंद चर्चा के क्षेत्र के सभी कोनलों से टप्पे खाकर फिर सेंटर में आकर चुप पड़ी है। अब इसे न तुम हिला रहे हो, न मैं। कल से मैं उपन्यास पढ़ रहा हूँ और तुम फिल्मी पत्रिका के पन्ने पलट रहे हो। शब्दों का लेन-देन मिट गया और चर्चा के विषय चूक गए।

(i) **(क)** शायद अतिथि अभी नहीं जा रहा है

व्याख्या: शायद अतिथि अभी नहीं जा रहा है

(ii) **(घ)** अतिथि और अतिथेय के बीच संबंधों में बोरियत आ गई

व्याख्या: अतिथि और अतिथेय के बीच संबंधों में बोरियत आ गई

(iii) **(ख)** सभी विकल्प सही हैं

व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

(iv) **(घ)** अतिथि का लेखक के घर में लंबे समय तक रुकने के कारण

व्याख्या: अतिथि का लेखक के घर में लंबे समय तक रुकने के कारण

(v) **(घ)** लेखक चाहता था कि कपड़े जल्दी आ जाएँ और अतिथि अपने घर चला जाए

व्याख्या: लेखक चाहता था कि कपड़े जल्दी आ जाएँ और अतिथि अपने घर चला जाए

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(ग)** कालीनाथ राय

व्याख्या: 'ट्रीब्यून' दैनिक पत्र के संपादक कालीनाथ राय थे। इन्हें दस वर्ष की जेल की सज़ा मिली थी।

(ii) **(क)** नमचे बाजार

व्याख्या: बछेंद्री ने नमचे बाजार को शेरपा लैंड का एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण नगरीय क्षेत्र कहा है।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) तेनजिंग शेरपा को 1935 में 'एरिक शिप्टन' के साथ पहली बार एवरेस्ट अभियान पर जाने का अवसर मिला। तब वे 19 साल के थे। यह अभियान एवरेस्ट के तिब्बत क्षेत्र का था। इसका उद्देश्य चोटी तक पहुँचने का नहीं था। इस पहले अभियान में उन्होंने रस्सी का प्रयोग करके ग्लेशियर के बीच कदम बढ़ाने के रास्ते खोजे। जब उन्होंने यात्रा शुरू की तो बेस कैंप में ही उन्हें एक मृत शरीर मिला। उन्होंने मृत शरीर को वहीं दफना दिया और पास रखी डायरी उठा ली। इस यात्रा में मौसम बहुत अच्छा था। तेनजिंग को महसूस हुआ था कि उन्हें तभी चोटी तक पहुँचना चाहिए था। सन् १९५९ ने भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया। एक स्विस कंपनी ने उनके नाम से शेरपा तेनसिंग लोशन और लिप क्रीम बेचा।

(ii) मनुष्य की पहली पहचान उसकी पोशाक से होती है। गरीब-अमीर, गंभीर-चंचल, सब प्रकार के लोगों की अलग पहचान होती है। सुदामा की पोशाक देखकर कृष्ण के द्वारपालों ने उसे अंदर ही नहीं आने दिया। एक राजा का मित्र भला फटेहाल कैसे हो सकता है? विद्यार्थी इस विषय पर परिचर्चा का आयोजन स्वयं करें।

(iii) छात्र स्वयं नक्शा लेकर उस पर रंगों से चिह्न लगाएँ।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) दूसरे की सम्पत्ति पर कोई अधिकार नहीं होता है, हो सकता है जरूरत के समय पर दूसरा व्यक्ति ना-नुकर करे। इसलिए विपत्ति के समय अपनी सम्पत्ति ही काम आती है।

(ii) कवि ने प्रभु को निडर कहा है क्योंकि वह दीन, दयालु, गरीब निवाजु है। वे समदर्शी हैं। वे नीची जाति वालों को भी अपनाकर उन्हें समाज में ऊँचा स्थान देते हैं। वह असंभव को भी संभव कर सकते हैं।

(iii) कवि जानता है कि जीवनपथ दुख और कठिनाइयों से भरा है। व्यक्ति इन कठिनाइयों से जूझते हुए थक जाता है। वह निराश होकर संघर्ष करना बंद कर देता है। अधिक निराश होने पर वह आगे बढ़ने का विचार त्यागकर वापस लौटना चाहता है। कवि संघर्ष करते लोगों से कभी न थकने, कभी न रुकने और कभी वापस न लौटने की शपथ को कह रहा है।

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) गिल्लू कहानी, लेखिका के जीव-प्रेम को अभिव्यक्त करती है। लेखिका ने घायल गिलहरी के बच्चे का उपचार कर उसके रहने तथा खाने का अपने घर में प्रबंध किया। अपने परिवार के सदस्य की तरह उसे पाला। थोड़े ही समय में लेखिका और गिल्लू के बीच बड़े ही मधुर संबंध बन गए।

इस कहानी से यह संदेश मिलता है कि जीव-जंतुओं को प्यार तथा आत्मीयता से पालकर हम उन्हें घर के सदस्य के समान रख सकते हैं। प्यार में वह ताकत होती है कि बेज़बान जीव-जंतु

भी हमें सच्चे अर्थों में परिचारिका की भाँति प्रेम दे सकते हैं। हमारे जीवन के सूनेपन के अभाव को दूर कर सकते हैं। वे हमारे अंदर दया-भाव का संचार करते हैं तथा हमें प्रकृति की ओर मोड़ते हैं। इस प्रकार यह कहानी हमारे जीव-प्रेम को विकसित करते हुए यह प्रेरणा देती है कि हम अपने प्यार, अपनत्व तथा ममत्व से किसीको मिहीत्र बना सकते है।

(ii) व्यक्ति के जीवन में साहस का अत्यधिक महत्त्व है, क्योंकि बिना साहस हम जीवन में कुछ भी नहीं कर सकते। साहस ही वह वैयक्तिक गुण है, जो किसी भी प्रकार की सफलता प्राप्ति के लिए अपरिहार्य है। साहस के कारण ही हम किसी कार्य में नए सिरे से संलग्न होते हैं और आने वाली सभी परेशानियों का सामना करने को तैयार रहते हैं। 'स्मृति' पाठ का लेखक बचपन से ही बहुत साहसी था। वह ज़हरीले साँप से बिना भयभीत हुए सीमित साधनों के दम पर ही चिट्ठियाँ निकालने के लिए कुएँ में उतर गया और अंतत: इसमें उसे सफलता प्राप्त हुई।
इस पाठ से यह प्रेरणा मिलती है कि हमें स्वयं को अत्यधिक साहसी बनाना चाहिए। साहसी बनकर ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। जो लोग भयभीत रहते हैं, वे कायर होते हैं, वे अपने जीवन में कोई भी जोखिम नहीं ले पाते और बिना जोखिम लिए कोई उल्लेखनीय सफलता भी प्राप्त नहीं कर पाते, इसलिए सभी व्यक्तियों को 'स्मृति' पाठ के लेखक की तरह साहसी होना चाहिए।

(iii) बच्चों में पुस्तकों के पठन की रुचि एवं उनसे लगाव उत्पन्न करने के लिए मैं माता-पिता को पुस्तकों की महत्ता बताऊँगा। पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं, यह बात उन्हें बताऊँगा ताकि वे बच्चों को पुस्तकें देने-दिलाने में आनाकानी न करें। मैं उन्हें बताऊँगा कि बच्चों की आयु, रुचि, ज्ञान आदि का अनुमान कर पुस्तकें दिलानी चाहिए। छोटे बच्चों को चित्रों वाली रंगीन पुस्तकें तथा मोटे अक्षरों में छपी पुस्तकें दिलाने की बात कहूँगा। बच्चों को चित्र कथाओं, रोचक कहानियों वाली पुस्तकें देने का सुझाव देंगा ताकि बच्चों का मन उनमें लगा रहे। कहानियों की पुस्तकें उन्हें जिज्ञासु उन्हें कल्पनाशील बनाती हैं, अतः उन्हें पाठ्यक्रम के अलावा ऐसी पुस्तकें भी देने का सुझाव देंगें जिससे बच्चों में पठन के प्रति रुझान एवं स्वस्थ आदत का विकास हो।

16. **नाटक मंचन के दौरान जब मैं अपने संवाद भूल गया/गई**

विद्यालय में नाटक खेलना वाकई एक अनुभवायोग्य अनुभव है। विद्यालय में वार्षिकोत्सव में मेरा नाटक था। मुझे मंच पर नाटक करना बहुत पसंद है। मेरे मित्र भी उनका अभिनय सही-सही से कर रहे थे। परंतु एक मेरी दोस्त मीरा ऐसी ही थी। मुझे उसके अभिनय पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं था। वह स्वयं अभिनय इसलिए नहीं कर पा रही थी क्योंकि वह खेलते समय गिर गई थी। उसे चोट लगी थी। समय केवल एक सप्ताह का शेष बचा था। मैंने अपने मित्रों को पूर्वाभ्यास के सात दिनों में अच्छी तरह नाटक के पात्रों का अभिनय समझा दिया था। जिसमें मीरा, सारा अभिनय कर रहे थे। खैर मंच पर प्रदर्शन का दिन और समय भी आ गया। मेरा दिल तो बहुत जोरों से धड़क रहा था। जैसे ही नाटक शुरू हुआ नाटक करते-करते मैं अपने संवाद को भूल गई और चुप हो गई। उसके बाद सभी दर्शक मुझे ध्यान से देखने लगे। मैं सोचने लगी कि अब क्या होगा? परंतु मेरे मित्र अपने दिमाग से आगे-आगे खुद ही संवाद जोड़ते चले गए और नाटक पूरा कर दिया। सभी दर्शकों ने हम सभी का बहुत ही उत्साहवर्धन किया। मुझे यह सब देखने में बहुत मज़ा आया। इस अनुभव से यह सीखा कि समस्याओं का सामना करने के लिए संयम, सहायता, और सहानुभूति महत्वपूर्ण

हैं। नाटक में एक अद्‌भुत प्रस्तुति की और दर्शकों के उत्साहवर्धन से आपके मन में बड़ी खुशियों के पल बिताए गए। यह अनुभव मेरे लिए अनमोल है और मैं उस दिन को कभी भूल नहीं सकती।

अथवा

ऑनलाइन खरीदारी : व्यापार का बदलता स्वरूप

ऑनलाइन शॉपिंग आज के समय में हम सभी के लिए बहुत ही अच्छा विकल्प है। पहले अक्सर बाजारों में लोग जा करके अपना कीमती समय बर्बाद करते थे और उन्हें अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था पर ऑनलाइन शॉपिंग में ऐसा नहीं होता है। ग्राहक समय और पैसा दोनों बचाता है। विक्रेता अपनी-अपनी वेबसाइट पर उत्पाद के विवरण लगातार अपडेट करते रहते हैं। लोगों ने कोरोना वायरस के दौरान अधिक मात्रा में ऑनलाइन ऑर्डर करना शुरू कर दिया है। आज जरूरत का सामान हो या खाने पीने का सामान हम ऑनलाइन आर्डर कर किसी को भी मंगवा सकते हैं। इसके अलावा आज के समय में हमें इस बात का ध्यान रखना है कि हम जिस जगह पर इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो। आज के लोगों के पास इतना समय नहीं होता कि वे सारा दिन बाजार में जाकर खरीदें। अधिक लोग शॉपिंग करना ही पसंद करते हैं इसके साथ ही साथ कुछ चीजें ऐसी हैं जिनसे हमें बचना होता है जैसे हम जिसको खरीद रहे हैं वह कैसी है इसकी जानकारी हमें ऑनलाइन शॉपिंग करने से पहले ही प्राप्त कर लेनी चाहिए। ऑनलाइन शॉपिंग करने का फायदा यह भी है कि हम किसी मॉल में जाते हैं तो वहाँ पर कपड़े ढूंढने में काफी समय लग जाता हैं। इसे हम ऑनलाइन खरीद सकते हैं और बहुत ही आसानी से वापस कर सकते हैं। हम किसी भी वस्तु को लेने के लिए निकलते हैं तो हमें बहुत ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है पर ऑनलाइन शॉपिंग में ऐसा कुछ नहीं होता क्योंकि हमें घर बैठे ही वस्तु मिल रही है। ऑनलाइन शॉपिंग करने का हमें कभी-कभी खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। हम वेबसाइट के बारे में पहले से जानकारी नहीं उठाते हैं तो हो सकता है कि हम उसके द्वारा ठगे जा रहे हो। कुछ वेबसाइट की पॉलिसी ऐसी है कि मंगवाई हुई वस्तु यदि हमें समझ में नहीं आई और अगर हम उसे वापस करना चाहते हैं तो उसमें हमें कुछ पैसा देना पड़ता है। आज के समय में जब लोग इतने व्यस्त हो गए हैं कि उन्हें खाने तक का समय नहीं मिलता तो वह बाजार से खरीदारी करने के बारे में सोचेंगे नहीं। ऐसे लोग ऑनलाइन शॉपिंग करके अपना कीमती समय बचा सकते हैं। सरल भाषा में यदि बात करें तो समाज के लिए ऑनलाइन शॉपिंग अधिक जरूरी बन गया है। इससे समय की बचत होती हैं और साथ ही साथ बाजार की आपाधापी से भी बचत होती है। ऑनलाइन शॉपिंग में आज हमारे विचारों को एक नई दिशा प्रदान की है। इसके साथ-साथ लोगों की सोच में भी विकास हुआ है।

अथवा

हिन्दी दिवस की तारीख एवं मनाने का कारण- हिन्दी विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। हिन्दी की खड़ी बोली भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर, 1949 को भारतीय संविधान के अनुसार इस देश की राष्ट्रभाषा के रूप में सर्व सम्मति से स्वीकार की गई। यह दिन निश्चित ही स्वतंत्र भारत के लिए गौरवपूर्ण था। तब से यह दिन हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

हमारे विद्यालय में भी हिन्दी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसे विद्यालय में हिन्दी पखवाड़े के रूप में मनाया जाता है जो 14 सितम्बर से 30 सितम्बर राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के जन्म दिवस तक मनाया जाता है।

समारोह की रूपरेखा- इसके अंतर्गत विद्यालय में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जैसे- भाषण प्रतियोगिता, निबन्ध व पत्र लेखन प्रतियोगिता, लघु नाटिका, कवि सम्मेलन आदि। इन पन्द्रह दिनों में हिन्दी के प्रयोग व उसके महत्व पर ध्यान दिया जाता है। अंतिम दिन मुख्य कार्यक्रम रखे जाते हैं। अतिथियों को आमंत्रित किया जाता है। कार्यक्रमों का प्रारंभ विद्यालय की संस्थापिका श्रीमति मीरा सक्सेना ने सरस्वती प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। उसके पश्चात् कक्षा नौ की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद एक के बाद एक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कक्षा आठ व नौ के विद्यार्थियों ने मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित 'नमक के दरोगा' नामक नाटक की महमोहक प्रस्तुति दी। तो दूसरी ओर विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए कविता पाठ ने श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। इन प्रस्तुतियों के बाद विभिन्न अतिथि कवियों व विद्यार्थियों द्वारा कविता पाठ किया गया।
योगदान व सफलता- कार्यक्रमों की प्रस्तुति के पश्चात् हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत हुई समस्त प्रतियोगिताओं में सफल रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। अंत में विद्यालय के मैनेजर श्री मनोज सक्सेना ने अतिथियों का आभार व्यक्त करके और विद्यार्थियों द्वारा किए गए सार्थक प्रयास की सराहना करके कार्यक्रम का समापन किया।

17. 119, वसंत कुंज, नई दिल्ली
दिनांक : 17 जनवरी, 2019
पूजनीय पिताजी
सादर चरण स्पर्श।
मैं यहाँ कुशलतापूर्वक आपकी कुशलता की कामना करता हूँ। बोर्ड परीक्षा निकट होने के कारण पढ़ाई ज़ोरों पर है। अन्य विषयों में मुझे कोई परेशानी नहीं है किन्तु कंप्यूटर विषय मेरा बिलकुल भी तैयार नहीं है। परीक्षा के अलावा भी इसका ज्ञान बहुत आवश्यक है। आगे समाचार यह है कि हमारे विद्यालय में कम्प्यूटर सिखाने के लिए अतिरिक्त कक्षाएँ लगाई जा रही हैं जिसका शुल्क 11500 है। पिताजी आप तो जानते ही हैं आजकल कम्प्यूटर ज्ञान अनिवार्य है। जिसे कम्प्यूटर नहीं आता उसे नौकरी भी नहीं मिलती। मैं भी कम्प्यूटर सीखना चाहता हूँ। आशा है आप फीस के पैसे तुरन्त भेज देंगे। इसका मुझे प्रमाणपत्र भी मिलेगा जो बाद में काम भी आयेगा। मेरी रुचि और आवश्यकता को देखते हुये शीघ्र पैसे भेजे ताकि मैं उन कक्षाओं में अपना नाम लिखा सकूँ।
शेष सब ठीक हैं। माताजी को चरण स्पर्श, छोटी को स्नेह।
आपका पुत्र
मोहित

अथवा

45/5, स्वरूप नगर
दिल्ली
दिनांक : 05 मार्च, 2019
प्रिय संजना
शुभाशीष,
तुम छात्रावास में रहती हो वहाँ कई प्रकार की छात्राएँ रहती हैं। अक्सर लड़कियाँ अपने बनाव श्रृंगार में समय व्यतीत किया करती हैं, क्योंकि प्रत्येक लड़की यही चाहती है कि वह अधिक से अधिक आकर्षक दिखाई दे, यह स्वाभाविक है पर सारा ध्यान इसी ओर केन्द्रित करना उचित नहीं

है। स्वस्थ शरीर स्वयं ही आकर्षण का केन्द्र होता है। अतः तुम अपने को पूर्ण स्वस्थ दिखाने का प्रयास करो। यही तुम्हारा श्रृंगार होगा। श्रृंगार में समय मत बर्बाद करो। अपना अधिक समय पढ़ने-लिखने में लगाना ही तुम्हारे लिए उचित होगा। आशा है तुम मेरी बात पर गौर फरमाओगी।
तुम्हारी अपनी ही,
चंचल

18. यह गाँव के बाजार का दृश्य है। एक अधेड़ स्त्री खरबूजे बेच रही है। वह औरत दुखी प्रतीत होती है। वह घुटने पर सिर रखे रो रही है। लोग उस औरत को देख रहे हैं लेकिन कोई खरबूजे खरीद नहीं रहा है। कुछ खरबूजे टोकरी में रखे हैं व कुछ नीचे पड़े हैं। लगता है खरबूजे महँगे, खराब होंगे या मीठे नहीं होंगे इसलिए लोग उन खरबूजों को खरीदने से कतरा रहे हैं। लोग उस औरत के बारे में तरह-तरह की बातें भी बना रहे हैं। कुछ सामान बेचने वाले लोग भी बाजर में घूम रहे हैं तथा जोर से आवाज़ लगा रहे हैं। लोग बाजर का भ्रमण का मज़ा उठा रहे हैं

19. **छात्र** - नमस्कार, गुरुजी!
अध्यापक - नमस्कार, बेटे! कहो, कैसे आना हुआ?
छात्र - कल गाँधी जयंती है, गुरुजी। मुझे कल बाल सभा में गाँधी जी के जीवन के विषय में कुछ बोलना है।
अध्यापक - कहो, मैं उसमें तुम्हारी क्या सहायता कर सकता हूँ?
छात्र - गुरु जी ! मैंने गाँधी जी के विषय में भाषण लिख तो लिया है, अब उसे रट रहा हूँ। थोड़ी देर बाद आप मुझसे सुन लीजिए।
अध्यापक - ऐसी भूल कर भी मत करना।
छात्र - क्यों गुरु जी, क्यों नहीं?
अध्यापक - तुम नहीं जानते, बेटे। जो चीज़ रटकर सुनाई जाती है, उसका श्रोताओं पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ता। जब तुम बोलने के लिए श्रोताओं के सामने खड़े होगे, तो तुम्हें अनेक चेहरे दिखाई देंगे। उनके चेहरों के हाव-भाव को देखकर अपने भाषण को बदलना होगा।
छात्र - किंतु मैं तो रटे बिना एक शब्द भी नहीं बोल सकता।
अध्यापक - ठीक है, पहले-पहल ऐसा ही किया जाता है। किन्तु यदि तुम बीच में कोई वाक्य भूल गए तो क्या करोगे?
छात्र - इसके लिए मैं कुछ संकेत लिखकर ले जाऊँगा।

अथवा

पिता - तू लौट आया बेटा।
पुत्र - हाँ, पिताजी !
पिता - तूने, कुछ खाया?
पुत्र - हाँ, पिताजी!
पिता - काश ! घर पर ठहर जाता तो तेरी भूख अच्छा खाना ही मिटा देती।
पुत्र - अब भी मैंने भूख घर पर ही शांत की है पिताजी।
पिता - बाहर कुछ नहीं खाया?
पुत्र - नहीं, पिताजी!
पिता - धन्य है तू! पर यह अक्ल आई कैसे?
पुत्र - जब से मैं बीमारी से उठा हूँ बाहर खाना छोड़ दिया है।